



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]  
No. 31]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 10, 1985/अग्रहायण 19, 1907  
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 10, 1985/AGRAHAYANA 19, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 266  
पर (i) के अधीन मूचनाएँ

महात्मा आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेज—कलकत्ता का  
कार्यालय

निर्देश नं० ए. सी./रेज—1/कल/1985  
कलकत्ता, 3 दिसम्बर, 1985

सर्वेस स. सी. ए. 148/85-86/ एम एल 1119  
आई. ए. सी. 0/अर्जुन-भार/कल :- यतः, मूझे शेख नईमुद्दीन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी  
सं. 1/1 ए है तथा जो बिप्लवा अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

आई. ए. ए. सि. अर्जुन रेज—2, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मूझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह  
प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिकाँ  
(अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उसके बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम

1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या, छिपाने में सुविधा के लिए, की धारा 269प की उपधारा (1) के अर्जन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्स दृधोरिया कन्स्ट्रक्शन क लिमिटेड (अन्तर्गक)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्स जय कुमार सैन (अन्तर्गती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जाना है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थवार सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1ए विप्लवी अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का 5वा तल्ला में आफिस युनिट नं. 5 एफ जो सक्षम प्राधिकारी, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता के पास मिरियन नं. सि. थ. 148 के अनुसार 6-3-85 तारिख में रजिस्टर हुआ।

तारीख : 3-12-85

सोहर :

# NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 3rd December, 1985

Ref. No. C.A. 148/85-86/Sl. 1119/I.A.C./Acq. R-I, Cal.—Whereas, I Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 111A, situated at Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Cal. on 6-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

TRANSFEROR

M/s. DUDHORIA CONSTRUCTION CO. LTD.

TRANSFeree

M/s. JAI KUMAR JAIN.

\*Persons in occupation :

\*Persons whom the undersigned knows to be interested in the property :

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

Land : Office Unit No. 5F on 5th floor.

Address : 111A, Biplabi Anukul Ch. Street, Calcutta.

Deed No. : Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-III Calcutta C.A. 148 dated 6-3-1985.

Date : 3-12-1985.

Seal :

\*Strike off where not applicable

कलकत्ता, 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश सं 1975/अर्जन आर-III/85-86—अतः मुझे जेम्स नईमुद्दिन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने हमारे पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम, प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है और जिसको सं. 32/1 है तथा जो गरिमाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आईएसीअर्जनआर-III कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, हमारे दृश्यमान प्रतिफल के, हमारे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरक और अन्तरिकों (अन्तरिकों) के बीच हमें अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से प्रतिष्ठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या हमारे वचन में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नि-तको की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए, की धारा 269क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

- 1 अमृत कामशियल को (प्रा) लि. अन्तरक)
- 2 बार्बा पद बन्धोपाध्याय (अन्तरिम)
- 3 श्री/श्रीमती कुमारी----- (वह व्यक्ति, अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्री/श्रीमती कुमारी----- (वह व्यक्ति जिसके द्वारा अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश-----

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 309 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हमने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. — सी

क्षेत्र — 925 वर्ग फुट

तारीख 2-12-85

गोहर

Calcutta, the 2nd December, 1985

Ref. No. 1975/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 32/1 situated at Gariahat Road (South) Calcutta (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Cal., Acq. R-III/37LE-609/ Calcutta on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

#### TRANSFEROR

Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

#### TRANSFeree

Kali Pada Bandyopadhyay

\*(Persons in occupation) :

\*(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) :

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within the period of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

All that premises measuring 925 sq. ft. being No. 32/1 Gariahat Road, (South) Calcutta, read. before IAC, Acq. R-III/Cal. vide No. 37FE-609/Acq. R-III/Cal. dated 6-3-1985.

Dated : 2-12-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. 1974/ अर्जन आर-III/85-86-अत.  
महा गेख नईमुहिन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269B के अर्जन मन्त्र, प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी रु. 62/7/85 है तथा जो बालीगंज साहलार रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वकर्ता अधिकारी के कार्यालय अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन, तारीख 6/3/85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरको (अन्तररतकों) के बीचोंमें अन्तरण के तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्जन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचन में सुविधा के लिए अर्ज/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

की धारा 269B की उपधारा (i) के अर्जन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री पञ्चपति को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. (अन्तरक)
2. श्री शम्भु दयानन्द (अन्तररत)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ----- (वह व्यक्ति अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ----- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थल पर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में लिये जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20के में परिभाषित है, सहो अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट

खेत्र— 15679 ब.का.

तारीख 2-12-85 शेख नईमुद्दीन, सक्षम प्राधिकारी

मोहर राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3

54, रफी अहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

Ref. No. 1974/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 62/7/1B situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Cal., 37EE-611/Acq. R-III/Calcutta on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed

by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

#### TRANSFEROR

Pashupati Co-operative Housing Society Ltd.

#### TRANSFeree

Shambhu Dayal Gupta.

\*(Persons' in occupation) :

\*(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) :

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within the period of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### SCHEDULE

All that premises measuring 1567 sq. ft. being premises No. 62/7/1B, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Regd. before IAC Acq. Range-III Cal. Vide No. 37EE-611/Acq. R-III/Cal. dated 6-3-1985.

Date : 2-12-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority

IAC : Acquisition Range-III : Cal.  
(Inspecting Assistant Commissioner  
of Income Tax ; Acquisition Range :  
Calcutta).

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

